7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गिरोह बनाकर बदला गया रेलकर्मियों का पेंशन अंशदान, वर्षों से चल रहा था खेल, जांच शुरू

5 एक ही बैरक में शिफ्ट किए गए आजम और अब्दुल्ला... डा. तजीन महिला सेल में, प्रोफेसर ने नहीं लिया खाना

8

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 13 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 23 अक्टूबर, 2023

नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी

नमो भारत के चलने से दिल्ली–NCR में क्या–क्या आएंगे बदलाव, आमजन की जिंदगी पर कितना पड़ेगा असर

दिल्ली-एनसीआर। रैपिडएक्स रेल कारिडोर पर दिल्ली से मेरठ तक ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाने से न केवल लोगों को सुगम यात्रा का बेहतरीन माध्यम मिल जाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी इससे बड़ी राहत मिलेगी। एनसीआरटीसी के अधिकारियों के अनुसार २०२५ में रैपिडएक्स ट्रेनों से रोजाना करीब आठ लाख लोग सफर करने लगेंगे।

दुहाई से मेरठ तक नमो भारत (रैपिडएक्स) ट्रेनें भले ही २०२४-२५ में दौड़नी शुरू होंगी लेकिन पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई तक ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाने से इस पूरे मार्ग के आसपास रियल एस्टेट कारोबार को भी नई रफ्तार मिलेगी। जीडीए ने रैपिडएक्स ट्रेनों के सभी स्टेशनों के आसपास १.५ किलोमीटर की परिधि में टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) क्षेत्र घोषित किए हैं। इस क्षेत्र में मिश्रित भू-उपयोग को मंजूरी मिल सकेगी। यानी नीचे व्यावसायिक और ऊपर आवासीय बहुमंजिला इमारतें बन सकेंगी। गाजियाबाद क्षेत्र में साहिबाबाद से लेकर मोदीनगर तक रैपिडएक्स रेल क रिडोर के दोनों ओर माल्स-मल्टीप्लेक्स, ग्रुप हाउसिंग, स्कूल, क लेज सर्विस सेक्टर की इंडस्ट्रीज और औद्योगिक इकाइयां भी लग सकेंगी।

जीडीए ने दुहाई और दुहाई डिपो के आसपास 1049 एकड़ जमीन को कर रखा है रिजर्व

रैपिडएक्स क रिडोर के आसपास विकास की संभावनाओं को देखते हुए जीडीए ने मास्टर प्लान-२०३१ में दुहाई और दुहाई डिपो के आसपास १०४६ एकड़ जमीन पर विशेष विकास क्षेत्र के लिए भू-उपयोग रिजर्व कर दिया है।

रैपिडएक्स ट्रेन सिर्फ दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ को ही नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर के शहरों को रफ्तार देगी। एनसीआरटीसी की प्लानिंग दो चरणों में कुल आठ कारिडोर पर रैपिडएक्स ट्रेनें चलाने की है। पहले चरण में दिल्ली–मेरठ कारिडोर के अलावा दिल्ली से वाया गुरुग्राम होते हुए अलवर तक और दिल्ली से पानीपत तक दो और कश्वरिडोर बनाकर ट्रेनों का परिचालन शुरू करने की है। दिल्ली से गुरुग्राम कारिडोर पर अलाइनमेंट तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही दिल्ली–गुरुग्राम–अलवर कारिडोर पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसके बाद पहले चरण के दिल्ली–पानीपत कारिडोर पर काम शुरू होगा। इन तीन कारिडोर का निर्माण पूरा होने के बाद दूसरे चरण में पांच कारिडोर बनाए जाएंगे। दूसरे चरण में दिल्ली–फरीदाबाद–पलवल कश्वरिडोर, गाजियाबाद–खुर्जा कश्वरिडोर, दिल्ली–बहादुरगढ़–रोहतक कश्वरिडोर, गाजियाबाद–हापुड़ कश्वरिडोर, दिल्ली–शाहदरा–बडौत कश्वरिडोर का काम शुरू होगा। दोनों चरण पूरे हो जाने से यूपी के पांच जिले गाजियाबाद, मेरठ, खुर्जा, हापुड़ और बागपत रैपिडएक्स कश्वरिडोर से जुड़ जाएंगे।

इस क्षेत्र में वेयर हाउस, ट्रांसपोर्ट एरिया भी विकसित हो सकेगा। सरकार की रैपिडएक्स ट्रेन से माल ढुलाई करने की भी योजना है, ऐसे में दुहाई के आसपास इस विशेष विकास क्षेत्र में भी विकास को पंख लगने की उम्मीद है।

एक लाख वाहन सड़कों से हटेंगे, साफ होगी हवा

रैपिडएक्स रेल क रिडोर पर दिल्ली से मेरठ तक ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाने से न केवल लोगों को सुगम यात्रा का बेहतरीन माध्यम मिल जाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी इससे बड़ी राहत मिलेगी। एनसीआरटीसी के अधिकारियों के अनुसार २०२५ में रैपिडएक्स ट्रेनों से रोजाना करीब आठ लाख लोग सफर करने लगेंगे। अनुमान है कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट का एक सशक्त माध्यम मिल जाने के कारण इस मार्ग पर करीब एक लाख वाहन कम हो जाएंगे। इससे वायु प्रदूषण में भी कमी आ जाएगी। दरअसल, मेरठ, मोदीनगर, मुरादनगर से गाजियाबाद और दिल्ली के बीच रोजाना लाखों लोग बसों और निजी वाहनों से सफर करते हैं। इनके अलावा मालवाहक वाहन भी बड़ी संख्या में इस रूट पर दौड़ते हैं। ऐसे में सराय काले खां से मेरठ तक क रिडोर पूरा हो जाने के बाद लोगों को निजी वाहनों का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिल्ली से महज ५५ मिनट में मेरठ तक का सफर पूरा हो जाएगा। ऐसे में उम्मीद है कि लोग निजी वाहनों की बजाय रैपिडएक्स ट्रेनों का लग्जरी सफर करना ज्यादा पसंद करेंगे।

आसमान छूने लगे दाम

रैपिडएक्स रेल कारिडोर पर ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाने के कारण इसके आसपास जमीन के दाम आसमान छूने लगे हैं। अवैध क लोनियों में जहां एक साल पहले तक १५ हजार रुपये प्रतिवर्ग गज के दाम थे, वहीं अब २५ से ३० हजार रुपये प्रति वर्गगज पर पहुंच गए हैं। रैपिडएक्स रेल क रिडोर का फायदा अवैध कालोनी विकसित करने वाले कालोनाइजर उठा रहे हैं। वहीं इस कारिडोर के आसपास के किसानों ने भी विकास की संभावनाओं को देखते हुए अब अपनी जमीनों के दाम बढ़ा दिए हैं।

लहू मांगे इंसाफ– ये पांच लाशें चीख–चीखकर दे रहीं गवाही, पर पुलिस की जांच में हुआ बड़ा खेल

मेरठ। ऊपर पटाखों का गोदाम। नीचे साबुन फैक्टरी। सैकड़ों किलो बारूद के बीच रोज की रोटी कमाते गरीब। क्या ये सिर्फ हादसा है... नहीं। अगर मौके पर सिर्फ साबुन की फैक्टरी होती और धमाका हो जाता, तो ये हादसा था। लेकिन पटाखों के बारूद की चपेट में आकर पांच लोग मर गए हैं। इससे साबित हो जाता है कि शहर में बारूद का गोदाम का चल रहा था। शायद यही वजह है कि किसी पर आंच न आ जाए इसलिए एफआईआर से बारूद का गोदाम गायब कर दिया गया। लेकिन लहू इंसाफ मांगता है। पुलिस जिस पटाखे के गोदाम को गायब कर देना चाहती थी, वह खुद पुलिस की लिखा-पढ़ी में मौजूद है। इन पांच शवों के पंचायतनामे में दर्ज है कि मौके पर साबुन बनाने की फैक्टरी व पटाखों का गोदाम था। ये पंचायतनामा सिर्फ इन पांच मजदूरों का नहीं है। यह कानून का भी पंचनामा है।

प्रयाग साह, चंदन, सुनील ठाकुर, अयोध्या राम और रूपन साह की लाशें खामोश रहकर भी इस बात की गवाही दे रही हैं कि उनकी मौत महज सिर्फ एक हादसा नहीं है। ये कानून की भी मौत है। जो काम पुलिस-प्रशासन के बड़े-बड़े आला अधिकारी दो दिन में नहीं कर पाए, वो इन लाशों के पंचायतनामे ने कर दिखाया है।

मौका-ए-वारदात पर मिले सबूत भी इस बात की चीख-चीखकर गवाही दे रहे हैं कि वहां पर पटाखों का जखीरा मौजूद था। लेकिन कानून को न मौका-ए-वारदात पर मिले सबूत दिखाई दिए और न ही लाशों का पंचायतनामा।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर क्षेत्र के शास्त्रीनगर निवासी अभिमन्यु यादव अपने साथ रामआशीष सहानी को लेकर १० अक्तूबर की सुबह गोरखपुर से बृजमनगंज की तरफ जा रहे थे। फरेंदा बृजमनगंज जंगल मे पीछे से बाइक दो सवार बदमाशों ने फायरिंग कर रुपयों से भरा बैग लूट लिया था। फायरिंग मे अभिमन्यु के जांघ मे गोली लगी थी। महराजगंज जिले में बृजमनगंज के हनुमान गढ़िया मार्ग पर पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार हुए जबकि एक बदमाश फरार हो गया। मुठभेड़ में एक सिपाही घायल हो गया। बीते १० अक्तूबर को लेहड़ा जंगल में लूट की घटना हुई थी। पूछताछ में पता चला कि लूट की घटना को इन्हीं बदमाशों ने अंजाम दिया था।पुलिस के अनुसार, लूट की घटना का पदाफार्श करने के लिए टीम लगी हुई थी। मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूटरे हनुमान गढिया की ओर आने वाले हैं। बृहस्पतिवार की रात करीब दो बजे बृजमनगंज के हनुमान गढ़िया मार्ग पर पुलिस ने घेराबंदी की। उसी दौरान दो बाइक पर सवार पांच लोग आते दिखाई दिए जिनको पुलिस ने रोका तो फायरिंग करने लगे। इसमें बृजमनगंज में तैनात सिपाही नीरज को गोली लग गई। पुलिस ने जवाबी फायरिंग किया तो दो बदमाशों को गोली लगी। एक बदमाश भागने मे सफल रहा व पुलिस की जवाबी कार्रवाई देख दो बदमाशों ने सरेंडर कर दिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विकास चौहान निवासी जंगल धूषण पिपराइच गोरखपुर , विद्यासागर निवासी मुजुरी पनियरा , प्रवीण चौहान निवासी मधुवन नौतनवां व रामप्रवेश निवासी गोरखपुर बताया। लूट कांड को प्रवीण व विकास चौहान ने अंजाम दिया था। आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

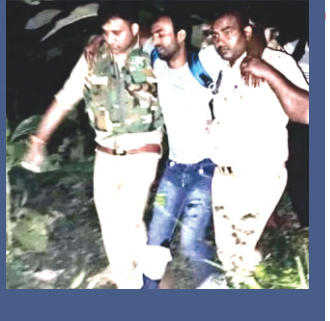

सम्पादकीय

हमलों से बढ़ा तनाव

इजराइल-हमास युद्ध के ११वें दिन गाजा शहर के एक अस्पताल पर हुए मिसाइल हमलों ने इस एपिसोड के सबसे साहसी और साहसी किरदार को सामने ला दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। उनका कहना है, गाजा के ११५ स्वास्थ्य केंद्र इस हमले की चपेट में आ गए हैं और शहर के अधिकांश अस्पतालों के कारण इसके कार्यालय हो गए हैं। ऐसी ही खबरें बताती हैं कि इजरायल की चेतावनी के बाद करीब १० लाख लोग गाजा के उत्तरी हिस्सों से दक्षिणी हिस्सों की ओर चले गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा पट्टी के छोटे इलाके में आबादी का बड़ा हिस्सा आ गया है और वहां जरूरी नीव की भारी आबादी हो गई है। यदि मानवीय सहायता संस्थान की कोई भी स्थिरता व्यवस्था जल्द ही नहीं की गई तो स्थान परिवर्तन हो सकते हैं। लेकिन गाजा के बाहरी परि श्य में सुधार की बात तो दूर, तनाव और बढ़ती नजरें आ रही हैं। अस्पताल में हमलों के लिए हालांकि दोनों पक्षों में एक-दूसरे को दोषी बताया जा रहा है, लेकिन इससे आम लोगों की बड़ी संख्या में हमले और घायलों की सच्चाई नहीं बदली जा सकती। उधर, इजराइल गाजा के भीतरी इलाके में अपनी सेना में शामिल हमास का खात्मा करने के अपने संकल्प पर अड़ा हुआ है, उसकी फौज इस अभियान को अंजाम देने के लिए अंतिम दल के सहयोगियों में शामिल है। ईरान ने यह खतरनाक दे दिया है कि अगर गाजा पर इजराइल के अपराध को दर्ज नहीं किया गया तो दुनिया भर के मुस्लिम जंग में उतरेंगे और ईरान की सेना को कहीं भी रोक नहीं लगाई जाएगी। यूं तो इजराइल और ईरान की यात्राएं साथ नहीं। लेकिन लेबनान की सीमा इजरायल से लगती है, जहां का मिलिटेंट ग्रुप हिज्बुल्ला की ईरान को मदद करता है। इन सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन रविवार को इजराइल पहुंच गए, लेकिन देखने वाली बात यह है कि उनकी बातचीत से इजराइल के रुख में किसी तरह का कोई बदलाव आता है या नहीं। ह स्पिटल पर मिसाइल हमलों के बाद ज र्डन ने राष्ट्रपति बिडेन और इजिप्ती व फलस्टीन के नेताओं के साथ वाली बैठक की ताल दी है। जहां तक आम लोगों का विरोध प्रदर्शन चल रहा है तो अभी तो सिर्फ वेस्ट की बात है और ईरान के कुछ शहरों में यह देखने को मिला है लेकिन ह स्पिटल पर हमलों के बाद लोगों से लेकर प्लाजा तक की अपीलें शुरू हो गई हैं। यदि यह फिल्म शुरू होती है तो जनमत का दबाव उन जंगलों को भी कठोर करने पर मजबूर कर सकता है जो इस मामले में अभी भी कोई कदम उठाने से बचना चाहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो हमास-इजरायल युद्ध के नुकसान की संभावना हर पल मजबूत हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध की कहानी से स्क टलैंड दुनिया एक और युद्ध देखने की स्थिति में नहीं है।

राहुल गांधी का अदानी पर नया हमला

यह आरोप लगाकर कि केन्द्र सरकार द्वारा देशवासियों को महंगी बिजली बेचने का उद्देश्य गौतम अदानी को फायदा पहुंचाना है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुश्किल में डाल दिया है। मोदी और अदानी के रिश्तों को लेकर राहुल पिछले लम्बे समय से अनेक खुलासे करते आ रहे हैं जिसके चलते मोदी समेत पूरी भारतीय जनता पार्टी की भरपूर किरकिरी हो चुकी है। यह मामला न केवल भारत में वरन विदेशों में भी गूंज रहा है। संसद के भीतर हो या बाहर, राहुल और उनकी पार्टी इस मुद्दे को लेकर मोदी की घेराबन्दी करती आ रही है। नये आरोप यानी मोदी-भाजपा की नयी मुसीबत।

बुधवार को राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रसिद्ध अखबार श्फाइनेंशियल टाइम्सश में छपी एक रिपोर्ट का हवाला देकर आरोप लगाया कि अदानी ने १२ हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उनका यह भी कहना था कि अदानी की वजह से ही देशवासियों को महंगी बिजली मिलती है। उनके मुताबिक अदानी इंडोनेशिया से कोयला खरीदते हैं और उसका भाव हिन्दुस्तान में दोगुना हो जाता है। अदानी कोयले की कीमत को गलत दिखाते हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि लोग जैसे ही बिजली का स्विच अ न करते हैं, अदानी की जेब में पैसा जाता है। अदानी की रक्षा भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं। दुनिया के बाकी देशों में जांच हो रही है लेकिन भारत में अदानी को कोरा चेक दिया गया है। अदानी जो चाहे कर सकते हैं।श राहुल का साफ कहना था कि लोग १२ हजार करोड़ रुपये का यह आंकड़ा याद रखें। उन्होंने सवाल किया- पीएम अदानी की जांच क्यों नहीं कराते? उल्लेखनीय है कि राहुल पिछले वर्ष कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई बार मोदी व अदानी के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते रहे। इतना ही नहीं, लोकसभा में भी उन्होंने इस मामले को दमदार तरीके से उठाया था। अदानी के हवाई जहाज में बैठकर प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण के लिये दिल्ली आ रहे मोदी की तस्वीर भी उन्होंने संसद में लहराई थी। इसके चलते खूब हंगामा हुआ था। उनके भाषणों के वे हिस्से विलोपित कर दिये गये थे, जिनमें राहुल ने मोदी-अदानी के रिश्तों तथा इस व्यवसायी के कथित घोटालों की पोल खोली थी। इस सबके चलते गुजरात की एक कोर्ट में २०१६ के चुनाव प्रचार के दौरान दिये गये एक भाषण को आधार बनाकर राहुल के खिलाफ दाखिल अवमानना मामले की आनन-फानन में सुनवाई कर उन्हें दो साल की सजा दिला दी गई थी। उतनी ही तेज गति से उनकी लोकसभा की सदस्यता छीन ली गई थी। करीब चार माह सदन से बाहर रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सजा पर लगाई गई रोक से सदस्यता बहाल हुई थी।

> यह आरोप लगाकर कि केन्द्र सरकार द्वारा देशवासियों को महंगी बिजली बेचने का उद्देश्य गौतम अदानी को फायदा पहुंचाना है ।

वैसे सदन के भीतर, सदस्यता के निलम्बन के दौरान, वापस आने के बाद और तत्पश्चात सदन के बाहर राहुल की अदानी को लेकर घेराबन्दी हमेशा जारी रही। मोदी शासनकाल में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर बने अदानी को लेकर हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट ने मोदी व अदानी को संकट में तो डाला ही था, राहुल को और भी हमलावर बना दिया। उनके बयानों तथा अदानी पर उनके आरोपों की एक तरह से पुष्टि पहले हिन्डनबर्ग रिपोर्ट से हुई। पहले भी प्रतिष्ठित समाचारपत्र श्फाइनेंशियल टाइम्सश ने अदानी को लेकर बड़े खुलासे किये थे। उसी कड़ी के रूप में अब यह नयी रिपोर्ट आई है जिसके आधार पर राहुल ने ताजा हमला बोला है। निश्चित है कि इससे मोदी और केन्द्र सरकार पर नये सवालिया निशान उठेंगे। फिर, मोदी पर राहुल का नया आक्रमण ऐसे वक्त पर हो रहा है जब पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिये अगले महीने चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा ये सभी चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ रही है जिनमें उन्हें एक सफल व साफ-सुथरी छवि का नेता के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वैसे ही जिस प्रकार से पिछले एक दशक से होता आया है।हालांकि उनकी यह छवि पहले ही काफी कुछ दरक चुकी है। साथ ही वे सभी मोर्चों पर पूर्णतरू नाकाम प्रधानमंत्री भी साबित हो चुके हैं। फिर भी सरकार व संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी मजबूत पकड़, संगठन पर एकाधिकार तथा पिछलग्गू मीडिया के बल पर वे अपनी छवि को कथित रूप से यशस्वी पीएम की बनाये रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे वक्त में जब मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में चुनाव हार चुकी है और भाजपा पर भ्रष्टाचारियों के साथ मिलकर राज्य की सरकारें बनाने के आरोप हैं, राहुल के नये आरोपों से मोदी की परेशानियां बढ़ना तय है। पहले ही यह माना जा रहा है कि राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत की गुंजाइश शून्य है, जिसका असर अगले साल के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों पर पड़ेगा। राहुल के इन आरोपों में अगर विपक्षी गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस) ने भी अपने सुर मिलाए तो इसकी गूंज निश्चित ही दूर तलक जाएगी। मोदी व भाजपा को होने वाला नुकसान केवल ५ राज्यों तक सीमित न रहकर सभी तरफ होगा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पहले ही कह चुके हैं कि अदानी का पैसा दरअसल मोदी का पैसा है और मोदी व भाजपा २०२४ का चुनाव अदानी की वजह से हारेंगे।श क्या मलिक की बात सच साबित होने जा रही है? संकेत तो ऐसे ही दिखते हैं।

एक कमजोर रस्सी पर लटका है कर्नाटक जनता दल एस और भाजपा का संबंध

अब गौड़ा भी पार्टी में खतरनाक दरार के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे कुछ लोग यह कहकर खुद को बेवकूफ बना रहे हैं कि यह विभाजन नहीं है, बल्कि केवल मतभेद है जो बनते-बनते विभाजन में तब्दील हो गया है। सबसे खराब स्थिति में, जेडी सेक्युलर एक जर्जर रस्सी से लटका हुआ है और अलार्म बजाने की कोई जरूरत नहीं है। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) बीच में बंट गई है। यदि संगठन के बाह्य रूप में नहीं, तो कम से कम मनभेद से। पार्टी के बड़े नेता सी एम इब्राहिम इस झगड़े के केंद्र में हैं, जिसने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और उनके बेटे, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाले गौड़ा परिवार को गठबंधन चुनने के लिए मुश्किल स्थिति में डाल दिया है, और उनके लिए ही दुखद है कि सार्वभौमिक राजनीतिक अछूत, भारतीय जनता पार्टी के साथ, जो लोकतांत्रिक दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी भी है।

अब गौड़ा भी पार्टी में खतरनाक दरार के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे कुछ लोग यह कहकर खुद को बेवकूफ बना रहे हैं कि यह विभाजन नहीं है, बल्कि केवल मतभेद है जो बनते-बनते विभाजन में तब्दील हो गया है। सबसे खराब स्थिति में, जेडी सेक्युलरएक जर्जर रस्सी से लटका हुआ है और अलार्म बजाने की कोई जरूरत नहीं है, भले ही राज्य पार्टी प्रमुख हर किसी को बता रहे हों कि यह मेरा रास्ता है या राजमार्ग। वह जनता दल (सेक्युलर) का वर्तमान मुस्लिम चेहरा हैं। उनके कारण मुसलमानों के बहुत सारे वोट जद (एस) को मिलते हैं। अगर जनता दल (सेक्युलर) भाजपा के साथ बने रहने पर जोर देती है तो उसे उनके वोट से चूकना होगा जो पार्टी बर्दाश्त नहीं कर सकेगी। जब गुस्सा शांत होगा और इस विशेष नाटकीय घटनाक्रम पर धूल जम जायेगी, तो बेहतर समझ कायम होगी और पार्टी एकजुट रहेगी। सही? नहीं गलत। गौड़ा कबीले की चुनौती को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह अवज्ञा है जो विभाजन से भी आगे जाती है। यह एक बेशर्म अधिग्रहण बोली है। पिता-पुत्र की जोड़ी एक कंप्यूटर चिप की तरह बदली जा सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने का पार्टी का निर्णय एक तैयार बहाना है। सीएम इब्राहिम का कहना है कि उनका गुट मूल है और गौड़ा का जद (एस) विभाजित है। किसी भी स्थिति में, भाजपा के साथ गठबंधन करने का मतलब है कि जनता दल अब धर्मनिरपेक्ष नहीं रहेगा।

अगर किसी को अब भी आपत्ति है तो बता दें कि राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में इब्राहिम को न केवल निर्णय लेने बल्कि उन्हें कर्नाटक में लागू करने का भी पूरा अधिकार था। इब्राहिम का फैसला है कि जद (एस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में नहीं रहेगी और वह इस फैसले से एचडी देवेगौड़ा को अवगत कराने के लिए एक कोर कमेटी बनाने जा रहे हैं।

जनता दल (सेक्युलर) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष का विद्रोह हवा के साथ चलना तय है। अगर उनका फैसला जनता दल (सेक्युलर) में संभावित विभाजन का संकेत दे रहा है तो ऐसा ही होगा। जाहिर तौर पर आधा जनता दल (सेक्युलर) इब्राहिम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मैं जद(एस) का कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष हूं, यह हाल के दिनों में किसी द्वारा दिया गया सबसे जोरदार राजनीतिक बयान है। तो, जनता दल (सेक्युलर) में विभाजन का ट्रेंड है। सीएम इब्राहिम के हवाले से कहा जा रहा है कि पार्टी ने २०२४ का आम चुनाव लड़ने के लिए एनडीए में शामिल नहीं होने का फैसला किया है और पार्टी सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा की अब कोई महत्वपूर्ण न भूमिका नहीं है।

अब केवल उन विधायकों की संख्या गिनना बाकी है जो गौड़ा को गिराने में इब्राहिम के साथ शामिल हो गये हैं। इब्राहिम ने भाजपा के साथ संबंध तोड़ने के फैसले को हमारा पहला निर्णय करार दिया। दूसरा, देवेगौड़ा से भाजपा के साथ गठबंधन के लिए नहीं कहने का अनुरोध करना था। कोर कमेटी देवेगौड़ा से मिलेगी और उन्हें बतायेगी कि जहां तक जनता दल (सेक्युलर) का सवाल है तो यह खेल भाजपा के लिए है। देवेगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी ही थे जिन्होंने भाजपा के साथ जनता दल (सेक्युलर) का गठबंधन किया था। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोनों दल गठबंधन पर मुहर लगाने ही वाले थे कि तभी इब्राहिम ने पूरे भाजपा-जनता दल (सेकुलर) समझौते पर पानी फेर दिया।

क्या भाजपा को इसका अनुमान था? बिल्कुल नहीं, जब तक जनता दल (सेक्युलर) ने ऐसा नहीं किया। इब्राहिम ने भाजपा के साथ-साथ गौड़ा को भी मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने अपनी गेंद गुगली के बराबर फेंक दी और इसने न केवल गौड़ा नेतृत्व को क्लीन बोल्ड कर दिया, बल्कि भाजपा को भी बाहर कर दिया। क्रिकेट में ऐसा कभी नहीं हुआ।

रामगढ़ताल रिंग रोड पर तेजी से हो रहा काम
मोहद्दीपुर से पैड़लेगंज जाना होगा आसान

गोरखपुर। रामगढ़ताल रिंग रोड के बनने से लोगों को टहलने के लिए नया विकल्प मिल जाएगा। सुबह लोग रामगढ़ताल किनारे टहल सकेंगे। इस रोड पर फुटपाथ की सुविधा होगी। किनारों पर पैडलेगंज से लेकर नौकायन तक जैसी रेलिंग लगाई जाएगी। सजावटी लाइट से रामगढ़ताल का किनारा जगमगाए। गोरखपुर में रामगढ़ताल के किनारे जल्द ही टू लेन में रिंग रोड की सौगात शहरवासियों को मिल जाएगी। रिंग रोड बनाने का काम तेज कर दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि नए साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बनने से मोहद्दीपुर से पैड़लेगंज जाने वाले लोगों को एक नया वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा। इससे मोहद्दीपुर में जाम से राहत मिलेगी। साथ ही लोगों को मार्निंग व क के लिए भी ताल के किनारे एक स्थान उपलब्ध हो जाएगा। रामगढ़ताल के किनारे पैडलेगंज से मोहद्दीपुर तक और कूड़ाघाट से सहारा एस्टेट तक टू लेन सड़क बनाई जा रही है। करीब छह किमी लंबाई में इस सड़क को बनाने में करीब ४० करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह सड़क १०.५ मीटर चौड़ी बनाई जा रही है। जुलाई में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सड़क के कार्य का शिलान्यास किया था। योजना के मुताबिक, इस सड़क पर डेढ़ मीटर का फुटपाथ भी बनेगा। इसमें एक हिस्सा पैडलेगंज से लेकर मोहद्दीपुर तक है, जबकि दूसरा हिस्सा महादेव झारखंडी होते हुए सहारा स्टेट तक है। मंगलवार को जीडीए बोर्ड की बैठक में कमिश्नर अनिल ढींगरा ने सड़क का काम दिसंबर माह तक पूरा कराने का निर्देश दिया है। बुधवार की सुबह ११.३० बजे मोहद्दीपुर लेकर श्रीरामपुरम् क लोनी के पीछे तक हिस्से में काम चल रहा था। जेसीबी और ट्रैक्टर पर लगे लेवलर से करीब तीन सौ मीटर तक मिट्टी को समतल किया गया। यहां काम करने वाले श्रीनाथ ने बताया कि बरसात में मिट्टी का काम प्रभावित हो रहा था। लेकिन अब काम जल्दी पूरा हो जाएगा। इस रोड पर जहां क्रूज का निर्माण हो रहा है, वहां एक पुल भी बनाया जाएगा। इसका आधा हिस्सा अभी बना हुआ है। इसके आगे मिट्टी के समतलीकरण का काम बाकी है।

कम समय में पहुंच जाएंगे पैडलेगंज, जाम से मिलेगी राहत

मोहद्दीपुर से पैडलेगंज तक की दूरी करीब साढ़े तीन किमी है। पैडलेगंज होकर टीपीनगर या सर्किट हाउस की तरफ जाने के लिए लोगों को मोहद्दीपुर से होकर जाना पड़ता है। मोहद्दीपुर से नहर रोड होते हुए चौराहे तक जाने में यातायात का दबाव होने से काफी समय लग जाता है। मोहद्दीपुर से बाईं ओर मुड़कर लोग पैडलेगंज तक जाते हैं। इस दौरान कई बार लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। इस रोड के बन जाने से दूरी लगभग आधी हो जाएगी। साथ ही समय भी बचेगा।

रिंग रोड बनने से मिलेगी यह सुविधा

रामगढ़ताल रिंग रोड के बनने से लोगों को टहलने के लिए नया विकल्प मिल जाएगा। सुबह लोग रामगढ़ताल किनारे टहल सकेंगे। इस रोड पर फुटपाथ की सुविधा होगी। किनारों पर पैडलेगंज से लेकर नौकायन तक जैसी रेलिंग लगाई जाएगी। सजावटी लाइट से रामगढ़ताल का किनारा जगमगाए। इसके अलावा सजावटी पौधे भी लगेंगे। इसमें साइकिल ट्रैक भी बनाया जाएगा। आगे चलकर स्ट्रीट फूड इत्यादि की योजना भी है।

जीडीए वीसी आनंद वर्धन ने कहा कि रामगढ़ताल रिंग रोड निर्माण कार्य को तेजी से कराया जा रहा है। करीब छह किमी लंबाई में इस सड़क को बनाने में ४० करोड़ की लागत आएगी। नए साल में शहर के लोगो के लिए रिंग रोड की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। रिंग रोड को टू लेन में बनाया जा रहा है। इसके बगल में साइकिल ट्रैक बनाने की भी योजना है, डिजाइन तैयार की जा रही है।

मोहद्दीपुर अरुण कुमार ने कहा कि पैडलेगंज जाने के लिए नया रास्ता तो मिलेगा। साथ ही सुबह टहलने के लिए भी एक बेहतर जगह मिल जाएगी। इससे रामगढ़ताल की ओर क लोनियों का पिछला हिस्सा भी आकर्षक हो जाएगा। गंदगी नहीं रहेगी। मोहद्दीपुर रज्जू तिवारी ने कहा कि मोहददीपुर चौराहे से लेकर नहर पुल तक वाहनों का रेला लग रहता है। इस रोड के बनने से आधा लोड कम हो जाएगा। टीपीनगर की ओर जाने वाले लोग इधर से निकल जाएंगे। सर्किट हाउस की तरफ जाने के लिए भी चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। दूरी कम होने से समय भी बचेगा।

लखनऊ में जमीन दिलाने के नाम पर 44 लाख की ठगी

गोरखपुर। ४४ लाख रुपये भुगतान करने के बाद ओमपाल शाह से जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए कहा गया तो वह टालमटोल करता रहा और मोबाइल फोन भी स्विच आफ कर दिया। कई बार उसके लखनऊ स्थित आवास पर भी गए, लेकिन जानकारी होने पर वह छिप जाता था। लखनऊ में जमीन दिलवाने के नाम पर एम्स में काम करवा रहे ठेकेदार ने ४४ लाख रुपये हड़प लिए। बिछिया जंगल तुलसीराम के रहने वाले विनोद कुमार पांडेय ने एम्स थाने में साई रेजिडेंस थाना बीबीडी, लखनऊ के रहने वाले ठेकेदार ओमपाल शाह पर मंगलवार को जालसाजी समेत अन्य कई धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, विनोद ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि वे कुशीनगर के मदनपुर टाउन एरिया के मूल निवासी हैं। ओमपाल शाह उनके गांव का ही रहने वाला है। विनोद ने गांव की अपनी जमीन और पत्नी के नाम की जमीन लगभग ७० लाख रुपये में बेची थी और लखनऊ में जमीन खरीदना चाहते थे। इसी बीच उनकी मुलाकात ओमपाल शाह से हुई जो एम्स में ठेकेदारी करता था। ओमपाल ने बातचीत में बताया कि वह लखनऊ में अपने मोहल्ले में जमीन खरीदवा देगा। उसने साई रेजिडेंस के बगल में खाली प्लॉट ३००० वर्ग फीट का दिखाया।

आरोप है कि जमीन पसंद आने के बाद उसकी बातों पर विश्वास कर वर्ष २०१६ से २०२१ के बीच विभिन्न तिथियों में लगभग २८ लाख रुपये अपने खाते से ओमपाल शाह के बैंक खाते में भेज दिया, शेष धनराशि लगभग १६ लाख रुपये नकद दिया गया। आरोप है कि ४४ लाख रुपये भुगतान करने के बाद ओमपाल शाह से जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए कहा गया तो वह टालमटोल करता रहा और मोबाइल फोन भी स्विच अ फ कर दिया। कई बार उसके लखनऊ स्थित आवास पर भी गए, लेकिन जानकारी होने पर वह छिप जाता था। आरोप है की ओमपाल शाह ने ४४ लाख रुपये जमीन खरीदवाने के नाम पर हड़प लिया है।

गिरोह बनाकर बदला गया रेलकर्मियों का पेंशन अंशदान, वर्षो से चल रहा था खेलय जांच शुरू

गोरखपुर। रेलकर्मियों का पेंशन अंशदान गिरोह बनाकर बदला गया है। सरकारी से प्राइवेट बैंकों में अंशदान बदलने का खेल वर्षों से चल रहा था। एक प्राइवेट बैंक का शेयर गिरते ही मामला प्रकाश में आ गया। यांत्रिक कारखाना ही नहीं, परिचालन विभाग के कर्मचारियों का पेंशन अंशदान भी बदला गया है। अन्य विभागों में भी हड़कंप मचा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन ने जांच की जिम्मेदारी विजिलेंस को सौंप दी है। गुरुवार को विजिलेंस ने जांच भी शुरू कर दी। संबंधित डीलरों के बयान लिए गए हैं। यह मामला सिर्फ यांत्रिक कारखाना तक ही सीमित नहीं रह गया है। ऐसे में इस प्रकरण की जांच सीबीआइ के हाथ भी जा सकती है। रेलवे प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही कि पेंशन अंशदान बदलने का खेल कारखाना और परिचालन विभाग ही नहीं, पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य विभागों व दूसरे क्षेत्रीय रेलवे में भी हुआ है। किसी एक लिपिक नहीं, बल्कि रेलकर्मियों ने रैकेट बनाकर कमीशन के नाम पर लाखों कमाने के चक्कर में पेंशन का अंशदान बदला है। जानकारों का कहना है कि जैसे बैंक वाले खाता खोलने के लिए ग्राहकों को लुभाते हैं, ठीक उसी प्रकार शेयर के लिए भी बाजार में लोक-लुभावने पैकेज की भरमार है। तीन प्राइवेट बैंकों में दो का शेयर तो लगातार चढ़ता रहा, लेकिन जब

एक बैंक का शेयर आठ अंक नीचे गिरा तो कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

जानकार बताते हैं कि रेलकर्मी और संबंधित अधिकारी ही पेंशन अंशदान बदल सकते हैं। रेलकर्मी और अधिकारी ने अंशदान बदला नहीं तो सवाल यह है कि हजारों रेलकर्मियों का पेंशन अंशदान किसने बदल दिया? इसको लेकर संबंधित विभाग के लिपिकों की तरफ संदेह की सुई घूम रही है। कारखाना स्थित लेखा विभाग का एक लिपिक तो जानबूझकर इज्जतनगर अपना स्थानांतरण करा लिया है। परिचालन सहित अन्य विभागों में भी उसका जाल बिछा हुआ है। हालांकि, जब भी पेंशन अंशदान बदला जाता है तो रेलकर्मी के पास मैसेज आ जाता है, लेकिन अधिकतर रेलकर्मी इसे समझ नहीं पाते और वे उसे भूल जाते हैं। कुछ रेलकर्मियों की जमा पूंजी कम हुई तो मामला प्रकाश में आया। फिलहाल, २००४ के बाद नई पेंशन योजना में तैनात एनईआर के लगभग २० हजार रेलकर्मियों का पेंशन अंशदान असुरक्षित हाथों में पहुंच गया है। इसके बाद भी रेलवे प्रशासन कुछ बोलने से बच रहा है।

कारखाना पहुंचे पीसीएमई, कर्मचारी संगठनों ने उठाया मुद्दा

एनई रेलवे मजदूर यूनियन (नरमू) के महामंत्री केएल गुप्ता के पत्र लिखने के बाद प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (पीसीएमई) गुरुवार को यांत्रिक कारखाना पहुंचे। कर्मचारी संगठनों ने उनके समक्ष नई पेंशन में कटौती की धनराशि बिना कर्मचारियों की सहमति लिए निर्धारित बैंक से अलग दूसरे बैंकध पेंशन फंड में भेजने का मुद्दा उठाया। नरमू के अलावा पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ और पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ ने कारखाना कर्मचारियों के एनपीएस धनराशि के सुरक्षित निवेश एवं घोटाले पर रोक लगाने की मांग की। पीसीएमई ने प्रकरण के निस्तारण का आश्वासन दिया।

गोरखधाम, हमसफर व चौरी चौरा मे दिए गए 800 नए तकिये

पूर्वोत्तर रेलवे के रूटों पर चलने वाली ट्रेनों में अब साफ-सुथरे बेडरोल (कंबल, चादर, तौलिया और कवर आदि) और तकिये मिलेंगे। दैनिक जागरण ने १६ अक्टूबर के अंक में दाग-धब्बे वाले तकिया को लेकर यात्रियों व कोच अटेंडेंट की तकरार को उकेरती 'कवर भी नहीं ढंक पा रहे तकिये की इज्जत' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन ने पहले दिन ही गोरखधाम, हमसफर और चौरी चौरा सहित कई प्रमुख ट्रेनों का निरीक्षण कर यात्रियों को ८०० नया तकिया उपलब्ध कराया। चौरी चौरा में ३० तकिये बदले गए। रेलवे प्रशासन ने सभी पुराने तकियों को बदलने का निर्णय लिया है। इसके लिए २० हजार नये तकिया मंगाने का आर्डर दिया जा चुका है। यही नहीं अब तकिये का कवर और रंग भी बदलकर सफेद से नीला हो जाएगा। कवर बदलने का कार्य यांत्रिक कारखाना में किया जाएगा।

प्रथम चरण में गोरखपुर मैकेनाइज्ड लाउंड्री ने २५० तकिया का कवर बदलने का आर्डर भी दे दिया है। लाउंड्री में तकिये के नए कवर भी तैयार होने लगे हैं। जल्द ही गोरखपुर से बनकर चलने वाली ट्रेनों की ३६ रेक के तकिये बदल दिए जाएंगे। यात्रियों को पर्याप्त मात्रा में बेडरोल उपलब्ध कराने के लिए गोरखपुर स्थित मैकेनाइज्ड लाउंड्री की क्षमता भी बढ़ा दी गई है। अब लाउंड्री से प्रतिदिन १७ की जगह २३ हजार बेडरोल के पैकेट तैयार होंगे। त्योहारों में यात्रियों की संख्या बढ़ने पर भी ट्रेनों में बेडरोल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। गोरखपुर से बनकर चलने वाली २३ में रोजाना १५ से १६ एक्सप्रेस ट्रेनों में बेडरोल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।

फर्जी केस मामला-नफीसा गिरोह का लगाया कलंक अब तक नहीं मिटा

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में दुष्कर्म का फर्जी केस दर्ज कराकर पीड़ितों से रुपये ऐंठने वाली महिलाओं का गिरोह पहली बार सामने नहीं आया है। इसी तरह का एक मामला पहले भी सामने आ चुका है, हालांकि उसके पीड़ितों को अब भी इंसाफ का इंतजार है। इसके पहले नफीसा गिरोह का लगाया दुष्कर्म का कलंक उनके माथे से आज तक नहीं मिट सका है। जानकारी के मुताबिक, मई २०२२ में कैंपियरगंज के निवासी व पीड़ित खालिद ने एडीजी से शिकायत की थी। एडीजी के आदेश पर एसएसपी ने सीओ बांसगांव व सीओ कैंट से जांच कराई।

पता चला कि गिरोह के सदस्य फर्जी केस दर्ज कराकर वसूली करा रहे हैं। इसके बाद सात अगस्त २०२२ को कैंट पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन आज तक एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी है। जबकि, पुलिस अफसर भी मानते हैं कि केस दर्ज होने के बाद से कोर्ट के जरिए दुष्कर्म के केस दर्ज कराने के मामले कम हुए हैं। इस केस में आरोपियों ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था।

हाईकोर्ट ने तो आरोपियों को राहत नहीं दी, लेकिन पुलिस की कार्रवाई आज भी रुकी है। अब इस तरह का मामला सामने आने के बाद अफसरों ने इस गिरोह पर भी कार्रवाई का भरोसा दिया है। एएसपी मानुष पारिक ने बताया कि इस प्रकरण की जांच भी जारी है, साक्ष्यों के आधार पर इंसाफ दिया जाएगा।

गोरखपुर में गूंजा जय श्री राम

मुंबई के दिग्गज तकनीशियनों का इसलिए लगा मेला

गोरखपुर। अभिनेता और सांसद रवि किशन अपने संसदीय क्षेत्र गोरखपुर में अयोध्या के श्रीराम नामक एक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग की। यह म्यूजिक वीडियो अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के बारे में है। बताया जा रहा है कि यह म्यूजिक वीडियो रवि किशन के करियर का सबसे महंगा म्यूजिक वीडियो होगा। इस म्यूजिक वीडियो का बजट इतना बड़ा है कि इस बजट में भोजपुरी फिल्म बन जाती है।

म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम का म्यूजिक वीडियो अयोध्या में बन रहे श्री राम मंदिर के भव्य निर्माण से जुड़ा हुआ है। रवि किशन कहते हैं, श्हम लोग वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा का निर्वहन करने वाले लोग हैं। हमें सम्पूर्ण मानवजाति की चिंता लगी रहती है, हम प्रभु श्रीराम से यही प्रार्थना करते रहते हैं कि सारी दुनिया में हिंदुत्व का परचम लहराए और हर जगह प्राणियों में सद्भावना हो। हिंदुत्व पर चलने की प्रेरणा हमें हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली है।

अभिनेता रवि किशन ने कहा, आज पूरे हिंदुत्व के अलख की ज्योति पूरे विश्व में जल रही है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुबई में भी स्वामी नारायण मंदिर की स्थापना करा चुके हैं और इंग्लैंड के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को भी दिल्ली के अक्षरधाम में दर्शन करा चुके हैं ।

ऐसे में जब हम मानवता की बात करते हैं तो यह सम्पूर्ण विश्व की मानव जाति की बात होती है। हम अहिंसा के पुजारी को मानने वाले लोग हैं, और हमारे प्रधानमंत्री भी उसी राह पर चलने के लिए बार बार हमें प्रेरित करते रहते हैं।

अभिनेता रवि किशन के म्यूजिक वीडियो अयोध्या के श्रीराम की शूटिंग से गोरखपुर में शुरू हुई जिसने ५०० डांसर भाग लिया। इस म्यूजिक वीडियो को डांस डायरेक्टर रिक्की गुप्ता कोरियोग्राफ किया है। मीनाक्षी एसआर व प्रणव वर्त के लिखे इस गीत को माधव एस राजपूत ने गाया है। और, उन्होंने ही इस गीत को संगीतबद्ध भी किया है।

बताया जा रहा है कि अयोध्या के श्रीराम रवि किशन के करियर का सबसे महंगा म्यूजिक वीडियो है। इस म्यूजिक वीडियो का बजट ५० लाख का बताया जा रहा है, जितने में भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग हो जाती है।

त्योहारों की धूम के बीच अक्तूबर के बचे हुए 11 दिनों में आठ दिन बैंक बंद

21 अक्तूबरः (शनिवार)– दुर्गा पूजा (महा सप्तमी)– त्रिपुरा, असम, मणिपुर और बंगाल में बैंक बंद

23 अक्तूबरः (सोमवार)– दशहरा (महानवमी)ध्आयुध पूजा/दुर्गा पूजाधविजय दशमी– त्रिपुरा, कर्नाटक, उड़ीसा, तनिलनाडु, असम, आंध्र प्रदेश, कानपुर, केरल, झारखंड, बिहार में बैंक बंद

24 अक्तूबरः (मंगलवार)– दशहराध्दशहरा (विजयादशमी)/दुर्गा पूजा– आंध्र प्रदेश, मणिपुर को छोड़कर सभी राज्यों में बैंक बंद

25 अक्तूबरः (बुधवार)– दुर्गा पूजा (दसैन)– सिक्किम में बैंक बंद

26 अक्तूबरः (गुरुवार)– दुर्गा पूजा (दसैन)धविलय दिवस– सिक्किम, जम्मू–कश्मीर में बैंक बंद

27 अक्तूबरः (शुक्रवार)– दुर्गा पूजा (दसैन)– सिक्किम में बैंक बंद

28 अक्तूबरः (शनिवार)– लक्ष्मी पूजा– बंगाल में बैंक बंद

लखनऊ। आरबीआई की ओर से जारी बैंक छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार २३ और २४ अक्तूबर को दशहरे की छुट्टी है। इसके अलावे अक्तूबर के बचे दस दिनों में लक्ष्मी पूजा और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भी बैंक बंद रहेंगे। त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। अक्तूबर महीने के आने वाले ११ दिनों में दुर्गा पूजा, दशहरे की धूम रहेगी। इस मौके पर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दिन बैंकों में छुट्टी है। दुर्गा पूजा पर कई राज्यों में २५, २६ और २७ अक्तूबर तक बैंक बंद रहेंगे। आरबीआई की ओर से जारी बैंक छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार २३ और २४ अक्तूबर को दशहरे की छुट्टी है। इसके अलावे अक्तूबर के बचे दस दिनों में लक्ष्मी पूजा और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भी बैंक बंद रहेंगे। आइए अक्तूबर महीने में शनिवार और रविवार के अलावे बैंक किस-किस दिन बंद रहेंगे। अक्तूबर के बचे हुए ११ दिनों में (२१ से ३१ अक्तूबर के बीच) आठ दिन बैंक बंद रहेंगे।

सजा से बचने के लिए आजम ने आजमाया हर दांव कोर्ट में शादी की सीडी चलवाई, फिर भी बात नहीं बनी

रामपुर। पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में आजम परिवार लगातार फंसता चला गया। लाख कोशिश के बाद भी वह इस केस से बाहर नहीं निकल पाया। आजम परिवार ने बेगुनाही साबित करने के लिए तमाम सुबूत पेश किए। इसमें गवाहों की लंबी चौड़ी लिस्ट के साथ डिजिटल सुबूत थे। इसमें एक सीडी प्रमुख तौर पर शामिल थी। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की ओर से पेश किए गए डिजिटल सुबूत भी काम नहीं आ सके। कोर्ट रूम में उन्होंने अपने रिश्तेदार की शादी से लेकर वलीमा और जौहर-डे तक की सीडी चलवाई थी, जिसमें अब्दुल्ला आजम के बचपन की भी सीडी थी।

सीडी में दिखाया गया था कि अब्दुल्ला आजम उस समय मां की गोद में खेल रहे थे, लेकिन कोर्ट में पेश यह सुबूत भी उनके काम नहीं आए। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में आजम परिवार ऐसा फंसा कि लाख चाहकर भी वह निकल नहीं पाया। आजम परिवार ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए तमाम सुबूत पेश किए, जिसमें गवाहों की लंबी चौड़ी लिस्ट तो थी ही साथ ही डिजिटल सुबूत भी पेश किए गए, जिसमें सीडी प्रमुख थी।

अधिवक्ताओं की ओर से आजम खां के रिश्तेदार अब्दुल मतीन के निकाह से लेकर उनके वलीमा तक की सीडी पेश की गई। सीडी को कोर्ट रूम में चलाया गया था, जिसमें सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला के बचपन की झलक दिखाई गई थी। उस समय अब्दुल्ला की उम्र ढाई साल बताई गई थी। वीडियो में अब्दुल्ला मां तजीन फात्मा की गोद में दिखाया गया था। कोर्ट में आजम ने बहन निकहत अखलाक को भी कोर्ट में पेश किया। इसके अलावा कोर्ट में जौहर-डे की भी सीडी चलाई गई थी, जिसके जरिए भी आजम खां ने अपनी बेगुनाही के सुबूत पेश किए। वहीं सीडी बनाने वाले वीडियोग्राफर को भी कोर्ट में पेश किया गया।

दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने खूब दिलचस्पी दिखाई। तीन साल चली सुनवाई के दौरान उन्होंने ११६ बार कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखा, जबकि सपा नेता आजम खां सिर्फ १७ बार ही कोर्ट में पेश हुए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां एक बार फिर अपने पूरे परिवार के साथ जेल की सलाखों के पीछे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की मजबूत पैरवी और कागजी सबूत बताई गई है।

अब घाटों की सैर कराएगा मेड इन बनारस क्रूज श्रीविश्वनाथम

80 लाख की लागत से बने बजड़े का ट्रायल सफल

वाराणसी। वर्तमान समय में बनारस में चार क्रूज का संचालन हो रहा है। अलकनंदा क्रूज से भी बड़ा डबल डेकर बजड़ा श्रीविश्वनाथम बनाया गया है। यह बजड़ा वोकल फार लोकल और मेड इंडिया की मिसाल है। श्रीविश्वनाथम का गुरुवार को सफल ट्रायल हुआ। पर्यटकों को अब काशी के घाटों की सैर बनारस में ही बना डबल डेकर बजड़ा श्रीविश्वनाथम कराएगा। यह बजड़ा वोकल फार लोकल और मेड इंडिया की मिसाल है। अस्सी घाट पर स्वदेशी तकनीक पर इस बजड़े को तीन महीने में तैयार किया गया है। गुरुवार को इसका सफल ट्रायल अस्सी से नमो घाट तक किया गया। देव दीपावली से इसके संचालन की योजना है। ये बजड़ा लंबाई में अलकनंदा क्रूज से पांच फीट बड़ा है। १२० यात्रियों क्षमता वाले इस बजड़े के निर्माण पर ८० लाख रुपये खर्च हुए हैं। श्रीविश्वनाथम के प्रबंधन से जुड़े अजय साहनी ने बताया कि अलकनंदा क्रूज की तर्ज पर ही उन्होंने श्रीविश्वनाथम का निर्माण कराया है। अलकनंदा क्रूज की लंबाई ७५ फीट है जबकि श्रीविश्वनाथम की लंबाई ८० फीट और चौड़ाई २० फीट है।

आनलाइन और आफलाइन बुकिंग

बजड़ा पूरी तरह से वातानुकूलित है। इसमें दो इंजन लगाए गए हैं। एक इंजन सीएनजी जबकि दूसरा पेट्रोल से चलेगा। बजड़े का संचालन सुबह और शाम दो ट्रिप में होगा। शाम की सैर पांच बजे शुरू होगी। सुबह सुबह-ए-बनारस और गंगा आरती के बाद बजड़े का संचालन होगा। बुकिंग के लिए वेबसाइट भी तैयार कराई जा रही है। पर्यटक अ नलाइन और अ फलाइन बुकिंग करा सकते हैं।

एक ही बैरक में शिफ्ट किए गए आजम और अब्दुल्ला... डा. तजीन महिला सेल में, प्रोफेसर ने नहीं लिया खाना

रामपुर,संवाददाता। सपा नेता आजम खां और उनके परिवार को रामपुर जेल से दूसरे जिले भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही इसको लेकर शासन की ओर से आदेश आ जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि एक दो दिन में ही आजम परिवार को दूसरे जिले की जेल में शिफ्ट कर दिया जाएगा। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके पूर्व विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम को एक ही बैरक में रखा गया है, जबकि उनकी पत्नी डा . तजीन फात्मा को महिला बैरक में रखा गया है। २० से २५ बंदियों के बीच में ही दोनों को रखा गया है। जेल पहुंचने के बाद रात के वक्त उन्हें दाल रोटी और सब्जी दी गई, लेकिन डा . तजीन फात्मा ने भोजन नहीं लिया।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में कोर्ट ने अब्दुल्ला के साथ ही उनके पिता आजम खां और उनकी मां तजीन फात्मा को कोर्ट ने सात-सात साल की कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उन पर ५० हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है।

कोर्ट का फैसला आने के बाद आजम परिवार को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच रामपुर जेल तक पहुंचाया गया। शाम करीब पांच बजे आजम परिवार जेल पहुंचा,जहां जेल प्रशासन ने उनको भीतर लिया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आजम खां व उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को उस बैरक में रखा गया, जहां नए कैदियों को रखा जाता है। इस बैरक में २५ से ज्यादा कैदी में हैं। दोनों को एक ही बैरक में रखा गया है।

जेल प्रशासन ने आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा को महिला बैरक में शिफ्ट किया गया। रात करीब आठ बजे उन्हें जेल में बनी दाल, रोटी, सब्जी और चावल भी दिए गए। जेल का बना खाना देर रात तक तजीन फात्मा ने नहीं खाया था। वह काफी सुस्त नजर आ रही थीं। जेल अधीक्षक डा. प्रशांत मौर्य ने बताया कि जेल में तीनों कैदियों को शिफ्ट कर दिया गया है।

अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मुकदमे में कब क्या हुआ

मुकदमा दर्ज हुआ– 3 जनवरी 2019
आरोप प्त्र दाखिल– 01 अप्रैल 2019
आरोप पत्र पर कोर्ट ने संज्ञान लिया– 19 अगस्त 2019
जमानत स्वीकृत– 13 अक्तूबर 20
आरोपियों पर आरोप तय हुए– 18 अगस्त 2021
आरोपियों के बयान दर्ज– 17 मार्च 2023
बहस– 11 अक्तूबर 2023
बचाव पक्ष की अंतिम लिखित बहस दाखिल- 17 अक्तूबर 2023
निर्णय– 18 अक्तूबर 2023

किस धारा में कितनी सजा

धारा	सजा
120–बी	एक वर्ष का कारावास और पांच हजार रुपये का जुर्माना
आईपीसी की धारा 420	तीन वर्ष का कारावास और दस हजार रुपये जुर्माना
आईपीसी की धारा 467	सात वर्ष का कारावास और पंद्रह हजार रुपये जुर्माना
आईपीसी की धारा 468	तीन वर्ष का कारावास व दस हजार रुपये जुर्माना
आईपीसी की धारा 471	दो वर्ष का कारावास व दस हजार रुपये जुर्माना

नोट– सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में कोर्ट ने अब्दुल्ला के साथ ही उनके पिता आजम खां और उनकी मां तजीन फात्मा को कोर्ट ने सात–सात साल की कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उन पर 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट का फैसला आने के बाद आजम परिवार को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच रामपुर जेल तक पहुंचाया गया।

रामपुर जेल से शिफ्ट कराने की तैयारी शुरू

सपा नेता आजम खां और उनके परिवार को रामपुर जेल से दूसरे जिले भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही इसको लेकर शासन की ओर से आदेश आ जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि एक दो दिन में ही आजम परिवार को दूसरे जिले की जेल में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके लिए कवायद शुरू कर दी गई है। हालांकि जेल प्रशासन इस बात की जानकारी होने से इंकार किया है।

डीएम बोले– शासन के आदेश का इंतजार

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि सपा नेता आजम खां को दूसरे जिले की जेल में शिफ्ट करने का आदेश अभी तक नहीं मिला है। आदेश के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।

आजम खां, अब्दुल्ला और डा. फात्मा को सात–सात साल की कैद की सजा

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र होने के मामले में एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, उनकी पत्नी पूर्व विधायक ड . तजीन फात्मा और पुत्र अब्दुल्ला आजम को सात-सात कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर ५० रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जिला जेल भेज दिया गया।

भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने २०१६ में गंज थाने में अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र होने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम का एक जन्म प्रमाणपत्र लखनऊ नगर निगम से बना है और दूसरा रामपुर नगरपालिका परिषद् से।

इस मुकदमे में अब्दुल्ला के पिता सपा नेता आजम खां और उनकी मां पूर्व विधायक डा . तजीन फात्मा को भी आरोपी बनाया गया था। विवेचना के बाद पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। तीनों इस मुकदमे में जमानत पर चल रहे थे। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) शोभित बंसल की कोर्ट में हुई। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोपहर के वक्त आजम खां, अब्दुल्ला और तजीन फात्मा को दोषी करार दिया। इसके बाद तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया। दोपहर बाद कोर्ट ने सजा का एलान किया, जिसमें आजम खां, अब्दुल्ला आजम और ड . तजीन फात्मा को सात-सात की कैद और ५० हजार रुपये का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच रामपुर के जिला कारागार में भेज दिया गया।

तहखाने को जिलाधिकारी की सुपुर्दगी में देने के दाखिल वाद पर जिला जज करेंगे सुनवाई

मस्जिद परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी की सुपुर्दगी में सौंपने को लेकर दाखिल वाद की अब जिला जज सुनवाई करेंगे। सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में दाखिल वाद को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित करने की अपील करते हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने 25 सितंबर को जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था।

वाराणसी। मस्जिद परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी की सुपुर्दगी में सौंपने को लेकर दाखिल वाद की अब जिला जज सुनवाई करेंगे। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में दाखिल वाद को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित करने की अपील करते हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने २५ सितंबर को जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था।

जिला जज ने उक्त स्थानांतरण प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया है। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में दिवंगत पंडित सोमनाथ व्यास के नाती शैलेंद्र कुमार पाठक ने वाद दायर किया था। उनके अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन व सुधीर त्रिपाठी की ओर से दलील दी गई थी कि दिवंगत पंडित सोमनाथ व्यास जी के तहखाने पर मस्जिद पक्ष कब्जा कर सकता है।

पूजा–पाठ की मांग

वर्ष १९९३ तक तहखाने में पूजा-पाठ होता रहा है। बाद में तहखाने की बैरेकेडिंग कर दी गई और पूजा-पाठ करने पर रोक लगा दी गई। नंदी के सामने की बैरेकेडिंग को हटाने और तहखाने में पूर्व की तरह तहखाने में आने जाने और वहां पूजा-पाठ करने का अधिकार देने की मांग की थी। मंदिर पक्ष ने ज्ञानवापी से ही उक्त वाद संबंधित होने का हवाला देते हुए इसकी भी सुनवाई जिला जज की अदालत में करने की अपील की थी। मंदिर पक्ष की इस अपील पर अदालत में सुनवाई के दौरान अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से आपत्ति की गई थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात जिला जज ने स्थानांतरण प्रार्थना पत्र पर आदेश सुरक्षित कर लिया था।

साहब, मेरे पति को रेशमा ने कहीं छिपाकर रखा है

दिला दो न... मेरठ के थाने में पहुंचा अजीबोगरीब मामला

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में मन्नत थाने में इंस्पेक्टर की मिन्नत करती रही। बोली, साहब... रेशमा ने मेरे पति को बहलाकर फुसलाकर कहीं छिपा रखा है.. उसे दिला दो न..। मन्नत की यह बात सुनकर काफी देर तक इंस्पेक्टर समझ ही नहीं पाए कि वह इस बात का क्या जवाब दें, कहें तो आखिर क्या कहें। दूसरी ओर मन्नत, इंस्पेक्टर के सामने से उठने को तैयार नहीं हुई। बार-बार बस यही कहती रही कि उसके पति को बस एक बार दिला दो फिर न तो यहां आऊंगी और न ही उसे कही जाने दूंगी। मन्नत की जिद के सामने आखिर इंस्पेक्टर को झुकना ही पड़ा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को भेजा और रेशमा को थाने में लाने को कहा। पुलिस पहुंची तो रेशमा के घर पर ताला लगा मिला। मन्नत थाने पर बैठी है और इंतजार में है कि कब पुलिस उसे उसका पति वापस दिलाएगी।

पीड़िता बोली– पति को बहला–फुसलाकर ले गई रेशमा

अजीबो-गरीब यह मामला थाना लिसाड़ी गेट का है। मजीदनगर निवासी मन्नत शुक्रवार देर रात थाने पहुंची। इंस्पेक्टर जितेन्द्र सिंह के सामने पेश हुई। बोली, एक अक्टूबर को उसके पति कासिफ को रेशमा बहला-फुसलाकर ले गई है। उसने उसे अपने घर और आसपास कही छिपा रखा है। वह कई बार कासिफ को तलाशने गई लेकिन रेशमा ने उसे उसका पति नहीं लौटाया। वह उसकी तलाश करके हार चुकी है। उसने पुलिस कंट्रोल रुम को सूचना दी लेकिन मदद नहीं मिली। थाने में तहरीर दी लेकिन किसी ने नहीं सुनीं। बार-बार शिकायत व रेशमा के घर जाने पर अब पति कासिफ उसे धमका रहा है कि वह रेशमा को परेशान न करें।

इंस्पेक्टर से बार–बार गुहार लगाती रही मन्नत

मन्नत ने बताया कि उसे पता चला है कि कासिफ को रेशमा ने अपने घर या आसपास छिपाकर कर रखा है। हाथ जोड़कर बार-बार मन्नत बस इंस्पेक्टर से गुहार करती रही कि उसके छिपाए पति को रेशमा से दिला दो। मन्नत की यह बातचीत सुन थाने का स्टाफ भी कशमोकश में है कि आखिर करें तो क्या करें?। रेशमा के यहां जाते है तो वह या तो मिलती नहीं है। कोई मिलता है तो वहां कासिफ या रेशमा नहीं होती है। अब इंस्पेक्टर ने रेशमा के स्वजन को साफ कह दिया है कि थाने पर रेशमा हर हाल में पेश हो जाए, वरना रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर के इस रुख के बाद अब मन्नत मुतमइन है, उसे उसका छिपाया पति मिल जाएगा।

फेस को लेकर गहलोत बोले- मैं सीएम पद छोड़ना चाहता हूं पर ये पद मुझे नहीं छोड़ेगा

जयपुर। गहलोत ने कहा कि मोदी कहते हैं कि मैं गहलोत से बड़ा ईमानदार हूं तो मैं उनको कहना चाहता हूं कि मैं मोदी से बड़ा फकीर हूं। जिंदगी में एक इंच जमीन नहीं खरीदी, सोना नहीं खरीदा, इसलिए मोदी को बड़ा दावा नहीं करना चाहिए।विधानसभा चुनावों को लेकर राजस्थान के टिकटों की सूची फाइनल करवाने के लिए दिल्ली बैठे सीएम अशोक गहलोत ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर सियासी हलकों में चल रहे तमाम सवालों के जवाब दिए।

प्रदेश में चौथी बार सीएम बनने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि मैं सीएम पद छोड़ना चाहता हूं, लेकिन यह पद मुझे नहीं छोड़ रहा है और शायद छोड़ेगा भी नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ तो कारण होंगे कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मुझे बार-बार सीएम बना रहे हैं।

राजस्थान में उनकी सरकार से बगावत करने वाले सचिन पायलट और उनके विधायकों को टिकट दिए जाने के सवाल पर बोले-अभी सिर्फ जीत क्राइटेरिया है बाकी सब हम भूल चुके हैं। उनके साथ जो गए थे उनके टिकट सब क्लीयर हो रहे हैं। एक टिकट पर भी मैंने आब्जेक्शन नहीं किया।

सीएम के खिलाफ कोई आरोप नहीं

प्रदेश में एंटीइनमबेंसी के चलते टिकट काटे जाने के सवाल पर गहलोत ने कहा सीएम के खिलाफ कोई आरोप नहीं है। विधायकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप और एंटीइनकमबेंसी भी है, लेकिन टिकट तब कटते हैं, जब वहां विकल्प हों। मैंने एक बात कही कि सरकारें बदलने का भाजपा ने नया म डल अपनाया है यह बहुत खतरनाक है। अरुणाचल प्रदेश के सीएम को तो इसके चलते आत्महत्या तक करनी पड़ी।

ईडी के छापों पर बोले- केंद्रीय मंत्री की जांच क्यों नहीं

प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद ईडी की कार्रवाई को लेकर भी सीएम अशोक गहलोत ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत संजीवनी घोटाले के आरोपी उनकी जांच क्यों नहीं की जा रही। गहलोत बोले, यहां के सांसद ईडी के आफिस में जाकर झूंठी शिकायत करते हैं और उनके कहने पर ईडी कार्रवाई के लिए आ जाती है। सांसद किरोड़ी ने तूफान मचा दिया कि ल कर में ५०० करोड़ रुपये पड़े हैं, ईडी वहां पहुंच गई।

बोले-मैं मोदी से बड़ा फकीर

गहलोत ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। बोले, मोदी कहते हैं कि मैं गहलोत से बड़ा ईमानदार हूं तो मैं उनको कहना चाहता हूं कि मैं मोदी से बड़ा फकीर हूं। जिंदकी में एक ईंच जमीन नहीं खरीदी, सोना नहीं खरीदा, इसलिए मोदी को बड़ा दावा नहीं करना चाहिए।

पायलट पर निशाना, बोले- उनके टिकटों पर कोई आपत्ति नहीं

सचिन पायलट से विवादों के सवाल पर गहलोत ने गुगली फेंकी। उन्होंने कहा कि विपक्ष को तकलीफ ही यही हो रही है कि इनके बीच झगड़े क्यों नहीं हो रहे हैं। गहलोत बोले कि मैं उनके फैसलों में भागीदार बन रहा हूं। उन्होंने कहा कि अभी सिर्फ जीत क्राइटेरिया है बाकी सब हम भूल चुके हैं। उनके साथ जो गए थे उनके टिकट सब क्लीयर हो रहे हैं। एक टिकट पर भी मैंने आब्जेक्शन नहीं किया।

राजे के सवाल पर बोले- मेरे कारण उनको सजा न मिले

वसुंधरा राजे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का अंदरूनी मामला है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि मेरे कारण उनको सजा नहीं मिलनी चाहिए। मेरी सरकार गिर रही थी तो उनके नेता कैलाश मेघवाल ने एक किस्सा बताया था। वह मैंने किसी सभा में कह दिया। उसे लेकर राजे को निशाना बनाया गया।

जबतक जिंदा हूं तबतक

राष्ट्रपति के सामने छलका नीतीश कुमार का भाजपा प्रेम

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिया सधी राजनीति का परिचय
दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए दिया बड़ा सियासी बयान

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर अपनी सधी हुई राजनीति का परिचय देते हुए गुरुवार को बड़ा सियासी बयान दिया। उन्होंने एनडीए के नेताओं की ओर इशारा करते हुए पुरानी दोस्ती याद दिलाई। मोतिहारी में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के दौरान दिए गए उनके इस संबोधन के दौरान हाल तालियों से गूंज उठा।

मोतिहारी। बिहार में राहें जुदा करने के करीब दो साल बाद गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भाजपा प्रेम छलक पड़ा। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना इशारों-इशारों में इसे जाहिर किया। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के मंच से संबोधित कर रहे थे।

इसके स्थापना का इतिहास दोहराते हुए सीएम नीतीश कुमार ने एक बड़ा राजनीतिक बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि जब तक हम जीवित रहेंगे, हमारा आपका संबंध रहेगा।

हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में उपस्थित लोगों के बीच विभिन्न दलों के नेताओं को मौजूदगी में उन्होंने सामने बैठे नेताओं की ओर इशारा किया।

...तब से मैं लगा रहा : नीतीश

उन्होंने कहा कि २००७ में केंद्र सरकार देश के विभिन्न राज्यों में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की शुरुआत की। हमने तभी कहा था कि इसकी स्थापना बापू के चंपारण सत्याग्रह की भूमि पर होगी।

२००६ में अधिनियम बना और तब से मैं लगा रहा, तब कांग्रेस की सरकार थी। मैं तबके मंत्री के यहां भी गया। भेंट भी की और आवास पर भोजन किया।

उन्होंने कहा कि गया में खोलेंगे, लेकिन हमने चंपारण के लिए कहा। फिर यह तय हुआ दोनों स्थानों पर केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलेगा।

इसके बाद २०१४ में केंद्र की सरकार ने मोतिहारी में केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की सहमति दी। हमने इसका महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय रखने का प्रस्ताव दिया।

एनडीए के नेताओं की ओर किया इशारा

इसी के बाद व्यंगात्मक लहजे में नीतीश ने सामने बैठे एनडीए के नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा- तब हम साथ थे। याद है न २००५। हमारी दोस्ती तब भी थी। अब भी है।

जब तक हम जीवित रहेंगे हमारा-आपका संबंध रहेगा। सधी राजनीति का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री ने वोट पर भी बात और विकास पर भी बोले।

अलीगढ़ में बोले सीएम योगी

कहा- अब नया भारत बन रहा है, हम उच्च विचार परिवार के लोग हैं

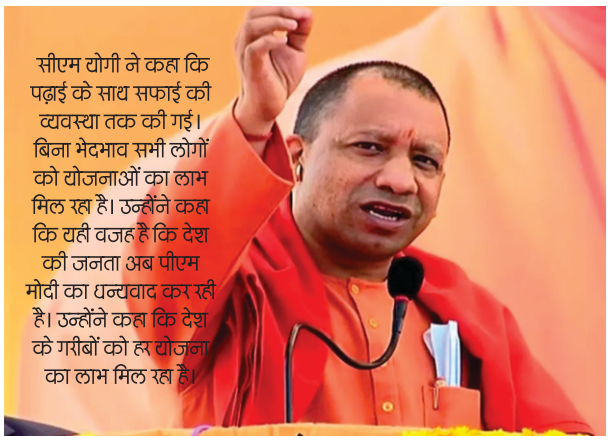

अलीगढ़। अलीगढ़ में जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब देश में कोई भूखा नहीं मरता सभी गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में बिना भेदभाव के विकास कार्य हो रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अब नया भारत बन रहा है। देश के हर वर्ग के लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

बोले- हम उच्च विचार परिवार के लोग हैं

इस दौरान सीएम योगी ने मंच से लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम उच्च विचार परिवार के लोग हैं। उन्होंने कहा कि जिसमे पंडित दीनदयाल ने कहा था कि विकास का पैमाना सबसे निचले व्यक्ति के पायदान से होता है। सीएम योगी ने कहा कि केंद्र सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। यही वजह है कि पढ़ाई से लेकर कमाई तक में काम हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम हुआ है। अब जन धन खाते में लाभार्थी के बैंक अकाउंट में सीधे पैसे आते हैं। सीएम ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान देकर भारत को एकता में जोड़ने का काम किया है। सीएम ने यह भी कहा कि तीन करोड़ परिवार के लोगों को मुफ्त बिजली दी गई।

क्या वेट एंड वाच के चक्कर में उलझी कांग्रेस-भाजपा की अंतिम सूची

दिल्ली। भाजपा सूत्रों ने बताया कि भाजपा की सूची में सिंधिया समर्थक विधायक महेंद्र सिसोदिया, सुरेश धाकड़, बृजेंद्र यादव के टिकट लगभग तय है। गौरीशंकर बिसेन की जगह उनकी बेटी को चुनाव लड़ाया जा सकता है। जबकि मंत्री ओपीएस भदौरिया का टिकट संकट में है। वहीं पार्टी ने ८ मंत्रियों के टिकट रोके थे, इनमें से ज्यादातर को हरी झंडी मिल गई है...

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू हो गया है। लेकिन सभी की निगाहें अब भाजपा और कांग्रेस की अंतिम सूची पर लगी हुई हैं। दोनों दलों ने उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। लेकिन लिस्ट जारी करने के लिए श्तू पहले, तू पहलेश के इंतजार में है। भाजपा के ६४ और कांग्रेस के ८६ प्रत्याशियों के नाम तय होना बाकी हैं। कांग्रेस की चुनाव समिति की बैठक हो चुकी है। जबकि भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक के बाद अब केंद्रीय चुनाव समिति का होना है। भाजपा की ५वीं सूची २० या २१ अक्तूबर को आ सकती है। कांग्रेस की लिस्ट गुरुवार रात या फिर २० अक्तूबर तक आने की उम्मीद है।

भाजपा में इन नेताओं के तय हुए नाम

भाजपा में बची हुई ६४ सीटों को लेकर चर्चा पूरी हो गई है। केंद्रीय चुनाव समिति में अंतिम मुहर लगने के बाद पांचवी सूची जारी हो जाएगी। इसमें अधिकत्तर सीटों पर प्रत्याशियों का एलान कर दिया जाएगा। भाजपा सूत्रों ने बताया कि भाजपा की सूची में सिंधिया समर्थक विधायक महेंद्र सिसोदिया, सुरेश धाकड़, बृजेंद्र यादव के टिकट लगभग तय है। गौरीशंकर बिसेन की जगह उनकी बेटी को चुनाव लड़ाया जा सकता है। जबकि मंत्री ओपीएस भदौरिया का टिकट संकट में है। वहीं पार्टी ने ८ मंत्रियों के टिकट रोके थे, इनमें से ज्यादातर को हरी झंडी मिल गई है। मंत्री इंदर सिंह शुजालपुर और उषा ठाकुर महू से ही चुनाव लड़ेंगी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने १० से १५ विधायकों को छोड़कर बाकी विधायकों को हरी झंडी दे दी है।

पवई सीट से मौजूदा विधायक प्रहलाद लोधी का नाम आगे है। उज्जैन उत्तर में वर्तमान विधायक पारस जैन दावेदारों में सबसे आगे हैं, लेकिन पार्टी ने अनिल जैन कालूहेड़ा का नाम संगठन को भेजा है। पारस जैन की पूर्व मंडी क्षेत्र में पकड़ है इसलिए निर्णय केंद्रीय संगठन ही लेगा। भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट पर पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता और स्थानीय नेताओं के नामों पर पेंच फंसा है। जबकि ग्वालियर पूर्व से पूर्व मंत्री माया सिंह, भिंड से नरेंद्र कुशवाहा, ग्वालियर दक्षिण से पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, इंदौर-५ से महेंद्र हार्डिया, टीकमगढ़ से राजेंद्र तिवारी, भोजपुर से सुरेंद्र पटवा, होशंगाबाद से सीताशरण शर्मा को फिर मौका मिल सकता है।

दूसरी सूची में कांग्रेस जारी करेगी करीब 50 नाम

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की दूसरी सूची गुरुवार शाम तक आने की उम्मीद है। बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस की सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की बैठक हुई। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि सभी ८६ सीटों पर नाम फाइनल कर लिए गए है। लेकिन दूसरी सूची में ५० उम्मीदवारों के नाम की घोषणा हो सकती है। बची हुई ३६ सीटों की घोषणा कुछ दिन बाद होगी।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने दूसरी लिस्ट में सर्वे के आधार पर नए चेहरे पर दांव लगाया है। जिन विधायकों को चुनाव लड़ाया जाना है, उन्हें संगठन की ओर से संकेत भी दे दिए गए हैं। वहीं, जिन स्थानों पर दो या उससे अधिक दावेदार हैं, वहां जातिगत समीकरणों को देखते हुए उम्मीदवार तय किए गए हैं।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि शिवपुरी सीट को लेकर कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह के कपड़े फाड़ने की बात कही थी, वहां केपी सिंह की जगह भाजपा से आए वीरेंद्र रघुवंशी को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। जबकि दतिया में भी कांग्रेस उम्मीदवार अवधेश नायक की जगह राजेंद्र भारती को मौका मिल सकता है। दतिया गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की सीट है। महू से कांग्रेस रामकिशोर शुक्ला को मौका दे सकती है।

कांग्रेस ने १५ अक्तूबर को प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी, इसमें १४४ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। वहीं ८६ सीटों पर प्रत्याशियों का चयन बाकी है। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेताओ ने २१ विधायकों के साथ ही लगातार हारने वाली ४० सीटों पर के नामों पर मंथन किया था। इन्हीं नामों को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के सामने रखा गया। दूसरी लिस्ट उन सीटों पर खासा फोकस है, जिस पर कांग्रेस को लंबे समय से हार का सामना करना पड़ रहा है।

'शाहिद' के 10 बरस

पूरे होने पर हंसल मेहता बोले : फिल्म ने बहुत कुछ दिया

मुंबई (भाषा)। फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने वुधवार को अपनी वर्ष 2013 की ड्रामा फिल्म 'शाहिद' की 10वीं वर्षगांठ मनाई। मेहता ने जीवनी पर आधारित इस फिल्म को लेकर कहा कि इस फिल्म ने उन्हें वहुत कुछ दिया है और इस फिल्म से ही उन्होंने अभिनेता राजकुमार राव के साथ काम करना शुरू किया। यह फिल्म वकील एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर आधारित है जिनकी वर्ष 2010 में मुंवई में हत्या कर दी गई थी। फिल्म 'शाहिद' को आलोचकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी थी। टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2012 में 'शाहिद' का वर्ल्ड प्रीमियर किया गया जिसे दर्शकों ने खूव पसंद किया। फिल्म निर्माता मेहता ने फिल्म का आधिकारिक पोस्टर सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर साझा कर लिखा, 'शाहिद के 10 साल पूरे हुए। इस फिल्म ने हम सवको जो दिया, उसके लिए वहुत वहुत आभार। शाहिद आजमी की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या ने मुझे एक फिल्म निर्माता के रूप में नया जीवन दिया। इस फिल्म से ही मेरी राजकुमार राव के साथ काम करने की शुरुआत हुई।' मेहता का नवीनतम प्रोजेक्ट 'द वर्किंघम मर्डर्स' है और 'जियो मामी मुंवई फिल्म उत्सव' की शुरुआत करीना कपूर खान अभिनीत इस फिल्म के प्रदर्शन के साथ होगी।

उर्वशी रौतेला को चोर ने भेजा मेल

फोन लौटाने के बदले एक्ट्रेस से कर दी ये बड़ी डिमांड

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बीते शनिवार यानी १४ अक्टूबर को पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला हुआ। था, जिसमें इंडिया की जीत हुई थी। ये मैच बीते शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुआ था। इस मैच को देखने के लिए लाखों लोगों की भीड़ पहुंची थी। इन्हीं में से एक थी एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला।

इस दौरान उन्होंने इंडिया को जमकर चियर किया था, लेकिन मैच खत्म होते-होते एक्ट्रेस के चेहरे की खुशी गम में बदल गई थी क्योंकि, यहां उनका २४ कैरेट गोल्ड आईफोन गुम हो गया था। इसकी जानाकी खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर दी थी। अब पांच दिन बाद उर्वशी रौतेला (न्तओप ल्नजमसं) ने अपने फोन को लेकर एक अपडेट साझा किया है।

उर्वशी रौतेला को आया फोन चोर का ई-मेल

उर्वशी रौतेला ने गुम हुए फोन को लेकर सोशल मीडिया पर बताया है कि उन्हें फोन चोरी करने वाले का मेल आया है। फोन को चुराने वाले शख्स ने एक्ट्रेस से एक डिमांड की है और कहा है कि पहले वह उसकी डिमांड को पूरा करे तो उसका मिल जाएगा।

उर्वशी रौतेला को मेल Groww Traders के नाम से आया है, जिसका स्क्रीनश ट एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर साझा किया है जिस पर लिखा है- आपका फोन मेरे पास है अगर आप इसे वापस लेना चाहती हैं तो आपको मेरी मदद करनी होगी। मेरा भाई को कैंसर है और उसका इलाज करवा दे। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस ने थंप्स-अप का साइन बनाया है, जिससे ये जाहिर हो रहा है कि वह उनकी मदद करेंगी।

पाकिस्तान और भारत का मैच देखने उर्वशी रौतेला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंची थी। इस मैच के दौरान एक्ट्रेस के साथ एक बड़ा हादसा हुआ। उनका 24 कैरेट गोल्ड आईफोन चोरी हुआ। अब पांच दिन बाद चोर का इमेल एक्ट्रेस को आया है।

राकी एक्टर बर्ट यंग का 83 साल की उम्र में निधन

फुकरे 3 ने बाक्स आफिस पर तीन हफ्ते का सफर पूरा कर लिया है। रिलीज के साथ ही फिल्म ने शानदार ओपनिंग की और कुछ दिनों में ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। वहीं अब 100 करोड़ के नजदीक खड़ी है। फुकरे 3 एक सुपरहिट फ्रेंचाइजी की फिल्म है।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली।अमेरिका में मशहूर एक्टर और आथर बर्ट यंग का ८३ साल की उम्र में निधन हो गया। बर्ट यंग, सिल्वेस्टर स्टेलोन की फिल्म राकी के छह पार्ट्स में पाली की भूमिका अदा करने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा गदर २ एक्टर सनी देओल १६ अक्टूबर को अपना ६६वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं।

राकी एक्टर बर्ट यंग का 83 साल की उम्र में हुआ निधन

हालीवुड से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आ रही है। अमेरिका में मशहूर एक्टर और आथर बर्ट यंग का ८३ साल की उम्र में निधन हो गया। बर्ट यंग, सिल्वेस्टर स्टेलोन की फिल्म राकी के छह पार्ट्स में पाली की भूमिका अदा करने के लिए जाने जाते हैं। ३० अप्रैल १६४० में न्यूय र्क में जन्में बर्ट यंग ने अपने करियर में फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन में भी खूब काम किया है। उन्होंने ल स एंजेलिस में आखिरी सांस ली, जिसकी जानकारी उनकी बेटी ने उनके फैन्स के साथ शेयर की। एक्टर के निधन की खबर सामने आने के बाद उनके चाहने वाले सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

ऋतिक और दीपिका की फिल्म 'फाइटर'

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्म 'फाइटर' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। फाइटर के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में 100 डेज टू फाइटर और कैप्शन में लिखा, फाइटर 100 दिन में आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। इनके अलावा करण सिंह ग्रोवर और तलत अजीज भी अह म किर दार में नजर आएंगे। यह फिल्म एरियल एक्शन है।

भारतीय टीम को बड़ा झटका!

हार्दिक पांड्या बांग्लादेश के खिलाफ हुए चोटिल, कोहली ने की गेंदबाजी

स्पोर्ट्स डेस्क। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम पहले गेंदबाजी करने उतरी। नौवें ओवर में टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा।विश्व कप के १७वें मुकाबले में भारत और बांग्लादेश की टीमें आमने-सामने हैं। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम पहले गेंदबाजी करने उतरी। नौवें ओवर में टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा। आलराउंडर हार्दिक पांड्या मैच के दौरान चोटिल हो गए। अभी उनकी चोट को मेडिकल टीम देख रही है। उसके बाद ही पता चल पाएगा कि वह कितनी गंभीर है।

बांग्लादेश की पारी के नौवें ओवर की तीसरी गेंद पर लिटन दास ने सामने की ओर शाट खेला। हार्दिक ने उनके शाट को अपने पैर से रोकने का प्रयास किया। उसी दौरान उनके पैर में खिंचाव हो गया। मेडिकल टीम ने मैदान पर हार्दिक का उपचार किया। वह गेंदबाजी के लिए खड़े भी हुए, लेकिन दौड़ नहीं पाए। हार्दिक को बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह विराट कोहली ने ओवर को पूरा किया।

हार्दिक ने गेंदबाजी करने का प्रयास किया। वह दौड़ नहीं पा रहे थे। कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान विराट कोहली से बात की। दोनों ने जोखिम उठाने का फैसला नहीं किया। कोहली और रोहित ने हार्दिक से बात की और उन्हें मैदान से बाहर जाने के लिए कहा। हार्दिक ने गेंदबाजी की जिद छोड़ दी और मेडिकल टीम के साथ बाहर चले गए।

रोहित को पांच स्थान का फायदा, दूसरे स्थान पर मौजूद गिल बाबर आजम से छीन सकते हैं शीर्ष स्थान

नई दिल्ली। रोहित ने पांच स्थान की छलांग लगाई है और छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, शुभमन गिल के पास इस सप्ताह वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा। इसके लिए उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ अच्छी पारी खेलनी होगी। वनडे विश्व कप २०२३ में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आईसीसी रैंकिंग में भी बड़ा फायदा मिला है। भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिक क को रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। वहीं, बाबर आजम की बादशाहत को खतरा मंडरा रहा है। गेंदबाजों में ट्रेंट बोल्ट को फायदा हुआ है।

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप २०२३ में डिक क ने लगातार दो शतकों के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की, लेकिन २० रन पर आउट होने के बाद शीर्ष स्थान के करीब पहुंचने का मौका चूक गए। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, उन्होंने अपने साथी रासी वान डर डुसेन को पछाड़ा, जो कि चौथे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ १३१ रन बनाने और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ ६३ गेंदों में ८६ रन बनाने के बाद रोहित पांच स्थान की लंबी छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज १६ स्थान ऊपर १८वें स्थान पर और नीदरलैंड के कप्तान स्क ट एडवर्ड्स १६ स्थान ऊपर २७वें स्थान पर आ गए हैं। दोनों बल्लेबाजों ने विश्व कप में उलटफेर करने में अपनी टीम की मदद की थी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ८३६ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि, दूसरे स्थान पर काबिज गिल की तुलना में उनके पास सिर्फ १८ अंक ज्यादा हैं। गिल के पास आगामी मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन कर शीर्ष वनडे बल्लेबाज बनने का मौका रहेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट वनडे ब लिंग रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने जोश हेजलवुड को पीछे किया, जो ६६० रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बोल्ट और हेजलवुड के बीच सिर्फ एक स्थान का अंतर है। बोल्ट ने बांग्लादेश के खिलाफ ४५ रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने तौहिद हृद य को आउट कर वनडे में अपना २००वां विकेट भी लिया।

अफगानिस्तान के जादूगर राशिद खान गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के ही स्पिनर केशव महाराज सात स्थान ऊपर चढ़कर मुजीब उर रहमान के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाजों में, भारत के जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा एक स्थान ऊपर पहुंचे हैं। दोनों १४वें स्थान पर हैं, जबकि लुंगी एनगिडी छह स्थान ऊपर १६वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन ३४३ रेटिंग अंकों के साथ वनडे अ लराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सैंटनर एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंद के साथ ग्लेन मैक्सवेल के प्रभावशाली प्रभाव ने अ लराउंडर रैंकिंग में उन्हें तीन पायदान ऊपर बढ़ाकर आठवें स्थान पर पहुंचा दिया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।